

कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण  
जनसभा  
राजमुंद्री-आंध्र प्रदेश  
18 अप्रैल, 2009

बुजुर्गों, बहनो और भाइयो,

गोदावरी नदी और मंदिरों की इस पवित्र भूमि को मैं प्रणाम करती हूँ।

पांच साल पहले चुनाव के वक़्त हमने और आपने आपस में वादा किया था, एक-दूसरे का साथ देने का। मुझे इस बात की खुशी है, कि हमने और आपने यह वादा निभाया। कांग्रेस पार्टी की ओर से मैं कह सकती हूँ, कि हमने आम आदमी का साथ देने का जो वादा किया था, वह आंध्र प्रदेश में ही नहीं, सारे देश में निभाया है।

पांच साल पहले आंध्र प्रदेश जिस हालत में था, वह आपको अभी भी याद होगा। किसानों की दुःख भरी जिंदगियां और ज्वट सरकार की लापरवाही के किस्से सुनकर, मुझे गहरा दुःख होता था और, कई बार मैं लोगों की तकलीफ़ सुनने के लिए खुद अलग-अलग हिस्सों में गयी थी। आज फिर वही लोग बड़ी-बड़ी बातें करके आपको गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन आंध्र प्रदेश के लोग समझदार हैं, जागरूक हैं, सब कुछ समझते हैं, उनकी आंखों में धूल कोई नहीं फेंक सकता है।

आप सबको मालूम ही है, कि देश को आज़ाद कराने से लेकर एक नये भारत के निर्माण का काम करने तक हमारे महान् नेताओं चाहे वह आंध्र प्रदेश के हों या देश के दूसरे हिस्सों के कितना बड़ा योगदान है। पूरे देश में उद्योगों, कारखानों, बड़े-बड़े पुल, बांध, नहरों का निर्माण किया, दलितों और आदिवासियों को कानूनी तौर पर आरक्षण दिया, LIC जैसी संस्था की स्थापना। बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया।

हरित-क्रांति लाए और उन्नीस सौ इकहत्तर में देश के दुश्मनों को हरा कर दुनिया का नक्शा तक बदला। मेरी प्यारी बहनों को पंचायत-राज संस्थाओं में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण द्वारा नेतृत्व का मौका दिया, गांव-गांव के लोगों के हाथ में मोबाइल टेलीफोन, जगह-जगह कम्प्यूटर जो दिखायी पड़ रहे हैं, वह भी कांग्रेस की दृष्टि का नतीजा है।

इसी तरह दो हजार चार में जब से केंद्र में डॉ० मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में हमारी सरकार बनी, उसने एक से बढ़कर एक ऐतिहासिक योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की। देश भर में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना लागू किया, सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए दोपहर के भोजन की योजना शुरू की। जिससे स्कूलों में उनकी मौजूदगी बढ़ी है। युवाओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखकर हमने कॉलेजों, विश्व-विद्यालयों, Technical Training संस्थानों को बढ़ाया।

हमें मालूम है, कि हमारे किसान भाइयों को कभी सूखा, तो कभी बाढ़, कभी Cyclone तो कभी कर्ज, तो कभी दूसरी परेशानियों से जूझना पड़ता है। उनकी तकलीफों को देखते हुए हमने पैंसठ हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ़ किए, बैंक ऋण की दरों को घटाया और उनकी फ़सल ख़रीद की दरों को इतना बढ़ाया, जितना पहले कभी नहीं हुआ। अक्लियतों के उत्थान के लिए पहली बार अलग से मंत्रालय बनाने के साथ ही सच्चर कमेटी की सिफ़ारिशों पर अमल हो रहा है। उनके बच्चे, दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के बच्चों को Scholarship दी जा रही है। Unorganised क्षेत्र के मज़दूरों के हक़ में कानून बनाने के साथ ही बीमा योजना और वृद्धावस्था पेंशन योजना लागू किया है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कानून ही नहीं बनाया, बल्कि स्वयं-सहायता समूहों के ज़रिए उन्हें आर्थिक तौर पर आत्म-निर्भर बनाया जा रहा है।

जिससे सारे देश के साथ-साथ आंध्र प्रदेश की मेरी प्यारी बहनों के जीवन में नयी रोशनी आयी है। गांवों और शहरों का बुनियादी ढांचा मजबूत किया जा रहा है।

सारे देश में विकास का जो दौर हमारी सरकार बनने के बाद से चला है, उसका असर उन राज्यों में बहुत दूर तक पहुंचा है, जहां कांग्रेस की सरकार है। आंध्र प्रदेश की धरती इसकी शानदार मिसाल है। मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व में यहां की हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गयी तमाम योजनाओं से गरीबों और आम आदमी को राहत ही नहीं, ताकत मिली है, समाज के हर वर्ग को फायदा हुआ है। कांग्रेस का हाथ 'आम आदमी के साथ है' – चाहे वह जिस जाति, धर्म या क्षेत्र का हो।

कुछ लोगों के लिए, BJP-TDP के लिए Secularism, Social Justice और जन-कल्याण केवल नारे हैं। कांग्रेस पार्टी के लिए ये नारे नहीं, जिंदगी के उसूल हैं। लेकिन कुछ ऐसे लोग हैं, जो अपने निजी स्वार्थ के लिए, समाज में भेद-भाव का ज़हर घोलकर, भाई-भाई को लड़ाने की कोशिश करते हैं, एक-दूसरे के दिलों में नफरत फैलाते हैं। ऐसे लोग हमारे ऊपर आतंकवाद के खिलाफ़ कमज़ोरी दिखाने का आरोप लगाते हैं। पूरा देश जानता है, कि हमने आतंकवाद के सामने कभी घुटने नहीं टेके हैं और न टेकेंगे। देश की एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए इंदिरा जी और राजीव जी जैसे हमारे महान् नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है। भाजपा के जो नेता जिनके साथ कल तक TDP से बड़ी दोस्ती थी, आतंकवाद से लड़ने की बातें करते हैं, उनके शासन काल में क्या हुआ था, संसद् पर हमला, बंद आतंकवादियों को जेल से निकाल कर कंधार ले जाकर आज़ाद करना देशवासी भूले नहीं हैं, उन्हें सब याद है। ज़्यादा अच्छा होगा, कि वह अपने गिरेबान में झांके।

वही नेता, हमारे प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी को निशाना बना रहे हैं। कहते हैं, कि वह अपने आप कोई फैसला नहीं ले पाते हैं, न ही ले सकते हैं। क्या ये लोग अपने मन और सोच से कभी कोई फैसला लेते हैं या ले सकते हैं? किसी भी फैसले के लिए वे एक खास संगठन के इशारे पर चलते हैं, उसके आदेश पर चलते हैं। BJP-NDA के शासन काम में उसी संगठन के गुस्से पर, उसी के आदेश पर 'मज़बूत' नेता को पार्टी अध्यक्ष से इस्तीफ़ा देना पड़ा, तो 'मज़बूत नेता' किसके आदेश पर जाएगा। आप फैसला करें, कि कौन मज़बूत नेता है? आडवाणी जी या प्रधानमंत्री डॉ० मनमोहन सिंह जी?

बहनो और भाइयो,

हमारा देश अनेकता में एकता का देश है, हमें सबको साथ लेकर चलना है। जिन्हें कम अवसर मिले हैं, उन्हें अवसर देने हैं। हमने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए, पूरे देश में और आंध्र प्रदेश में जो काम शुरू किए हैं, उन्हें और मज़बूती से लागू करने के लिए आप सबके सहयोग और समर्थन की ज़रूरत है, डॉ० मनमोहन सिंह जैसे योग्य और अनुभवी नेतृत्व की ज़रूरत है।

इसलिए मेरा अनुरोध है, कि चुनाव के दिन अपना एक-एक वोट कांग्रेस को देकर विधान-सभा और लोक-सभा के हमारे सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताएं, कांग्रेस पार्टी और डॉ० मनमोहन सिंह जी को मज़बूत बनाएं, देश और प्रदेश को प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपने इस महान् प्रदेश और आप सबके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

जय-हिंद।